Shortage of Coal in Punjab

*354. SHRI ARVIND NETAM: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether Government are aware that there is acute shortage of coal in the Punjab State due to which industrial production is suffering very badly; and

(b) if so, the steps Government propose to take in this regard in the near future?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL AND MINES (SHRI SHAHNAWAZ KHAN): (a) and (b). Complaints of shortage of coal and coke have been received from consumers in Punjab. The movement of coal to industries in Punjab was affected due to students' agitations in Punjab and certain operational difficulties at Mughalsarai. There is improvement in both respects and the Railways are taking action to increase loading for all types of consumbers.

As complaints of certain malpractices were received, the Government of Punjab have since undertaken screening to ensure that *bona fide* consumers receive their reuuirements.

श्री अरविन्द नेताम : अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं कि पंजाब से जनवरी, 1972 से अब तक कितने कोयले की मांग रही है और कितनी पूर्ति की गई है और क्या यह सच है कि जो पूर्ति की गई, वह बड़े शहरों तक ही सीमित रही ?

श्री शाहनवाज खां : पंजाब की मांग औसतन पांच जाहर से छः हजार वैगन्ज माहवार होती है । यह रेक्वायरमेंट आमतौर पर पूरी की जाती है । लेकिन कुछ शिकायतें मिली थीं कि सब लोगों को कोयला नहीं मिलता है । गवर्नमेंट ने एनक्वायरी की और उन्हें पता चला कि बहुत सी बोगस फर्में हैं, जो कोयला ले रही हैं और असली कनज्यूमर्ज को कोयला नहीं मिल रहा है । उसने 150 फर्मों के कोयले के लाइसेंस कैंसल कर दिये हैं और अभी यह किस्सा जारी है । मुझे पूरी उमीद है कि जब सही कनज्यूमर्ज को कोयला मिलेगा और बोगस फर्म्ज़ को हटा दिया जायेगा, तो यह कमी नहीं रहेगी ।

श्री अरविन्द नेताम : मंत्री महोदय ने अपने स्टेटमेंट में सप्लाई में गडबड़ी का मुख्य कारण छात्रों के आन्दोलन और मुगलसराय में आपेरेशनल डिफीकल्टी बताय है । क्या मंत्री महोदय के अपने विभाग में भी कुछ ऐसे दोष हैं, जिन से सप्लाई में अड़चन होती है ?

श्री शाहनवाज खां : मेरा इतना दोष है कि कोयला बहुत पड़ा है, लेकिन रेलवे वैगन्ज़ की कमी हो जाती है । कभी स्टुडेंट्स की एजीटेशन हो जाती है वे स्टेशनों पर एटैक करते हैं और रेलवे का मूवमेंट बन्द हो जाता है । कोयले की कोई कमी नहीं है ।

SHRI RAGHUNANDAN LAL BHATIA: May I know whether the shortfall of supply of coal to Punjab on account of student agitation and trouble at Mughalsarai will be made up soon by supply of rakes or any other system?

SHRI SHAHNAWAZ KHAN: If we or the Punjab Government feel that there is urgent necessity to rush coal, special rakes are generally provided by the Railways (Joint Director Coal).

श्री भान सिंह भौरा : मंत्री महोदय ने बताया है कि पंजाब गवर्नमेंट ने स्क्रीनिंग की और उस ने 150 फर्मों के लाइसेंस कैन्सल कर दिये । क्या मंत्री महोदय यह जांच-पड़ताल करेंगे कि वे लोग गवर्नमेंट से बैंगन्ज कैसे ले गये ? मेरी इत्तिला के मुताबिक चार चार हजार रुपये दे कर उन्होंने बैंगन्ज ले लिये ।

श्री साहनवाज खां माननीय सदस्य को मालूम होगा कि जुलाई 1967 से कोयले के डिस्ट्रिब्यूशन और मूवमेंट पर कंट्रोल नहीं है । वह फ्री है । कनज्यूमर्ज खुद कोल प्रोड्यूसर्ज से अपनी ऐक्वायरमेंट्स पूरी करते हैं । उस में गवर्नमेंट का कोई हिस्सा नहीं है ।

श्री भान सिंह भौरा : बैंगन रिजर्व करने के लिए चार चार हजार रुपया दिया गया और दस दस हजार रुपया एक गाड़ी का दिया गया ।

अध्यक्ष महोदय : भौरा के बाद फूल-पंजाब का भौरा और मध्य प्रदेश का फूल। श्री फूलचन्द वर्मा ।

श्री फूल चन्द वर्मा : मंत्री महोदय ने एक प्रश्न के उत्तर में बताया है कि कुछ बोगस फर्मों के नाम अधिक कोयला चला जाता है, इसलिए कोयले की शार्टेज है । मैं यह जानना चाहता हूं कि ऐसी बोगस फर्में कितनी हैं और उन के खिलाफ सरकार क्या कार्यवाही करने जा रही है । जिससे कि उनके पास कोयला न जाये और जो वास्तविक उपभोक्ता है उसको कोयला मिल सके ?

श्री शाहनवाज खां मैं अर्ज कर चुका हूं कि पंजाब गवर्नमेंट 150 ऐसी फर्मों के एपाटमेंट कैंसिल कर चुकी है और उनकी कोशिश जारी है कि और भी पकड़ें ।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Uganda Issue Raised in U.N. by U.K

*344 SHRI PILOO MODY Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state

(a) whether the issue of persons of Indian origin in Uganda was recently raised at the UN meetings by the United Kingdom,

(b) the stand which Government took on this issue, and

(c) whether any effort has been made by Government of India to influence other countries against the racial policy of Government of Uganda?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SURENDRA PAL SINGH) (a) The UK Delegation proposed the inscription of an additional item entitled "international implication of the expulsion of the Asian Community from Uganda" on the Agenda of the 27th Session of the United Nations General Assembly. While the proposal was under consideration of the General Committee, the British representative announced that the Government of UK would not press for its consideration in view of certain initiatives taken meanwhile to improve the conditions surrounding the departure of Uganda Asians but would keep the problem under close scrutiny and